Annul Report
1998-99

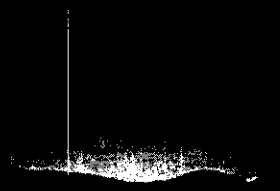

Report Junction.com

ORIENTAL BANK OF COMMERCE

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

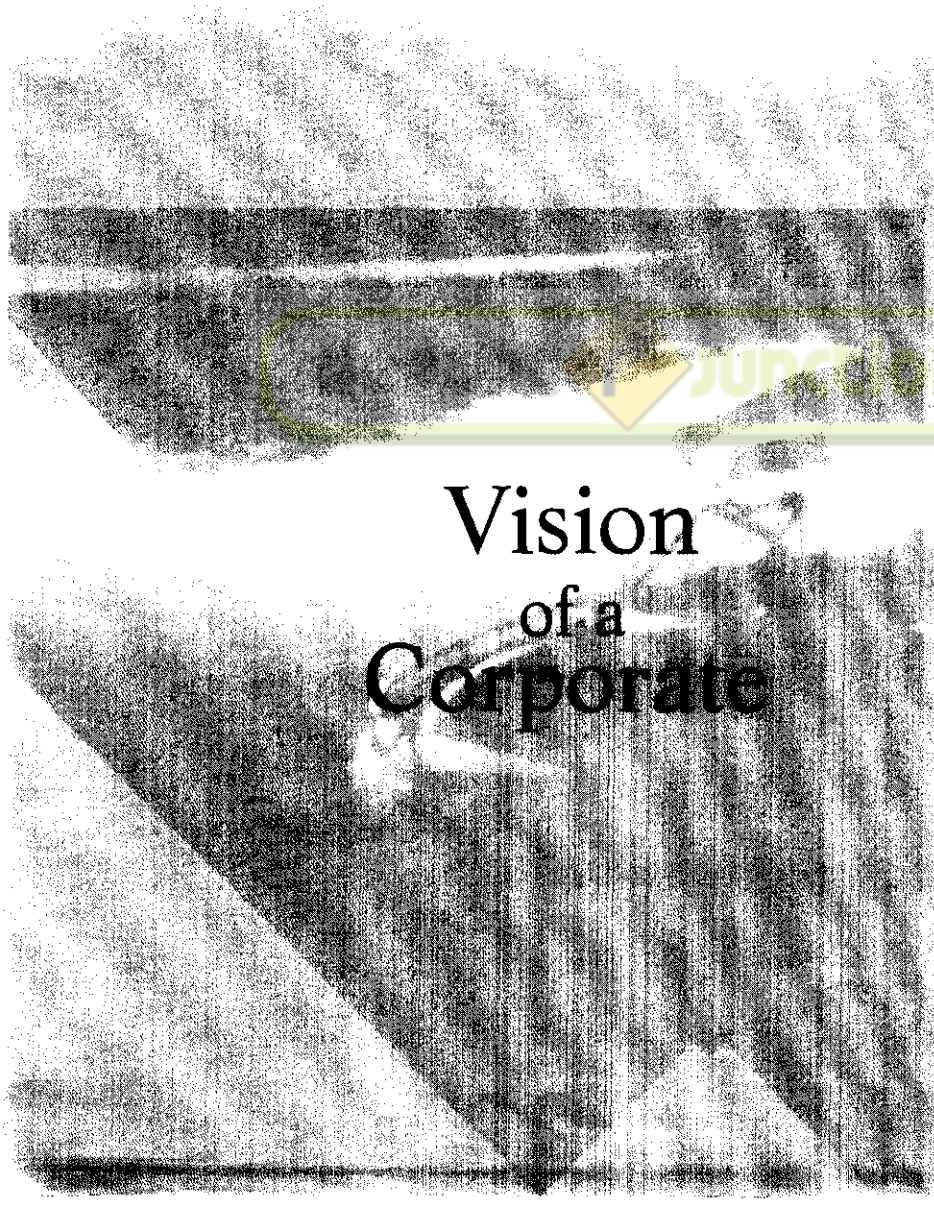

Vision of a Corporate

A corporate is in essence,
a group of people
assembled to do something
collectively
which they cannot do
individually.
In that way they make a unique
contribution to society.
Their ideas get formalised into a
set of organisational values and
effective strategies.
Their dreams get materialised into
organisational assets
and achievements.
We are a corporate
where collective aspirations
work towards
realising the dream.

www.reportjunction.com

CONTENTS

अध्यक्ष का संदेश
Chairman's Message 2

निदेशक मंडल
Board of Directors 4

वरिष्ठ प्रबंधवर्ग
Senior Management Team 5

प्रगति के पथ पर
Progress at a Glance 6

प्रमुख वित्तीय अनुपात
Key Financial Ratios 8

सूचना
Notice 12

टिप्पणियां
Notes 13

निदेशक रिपोर्ट
Director's Report 15

तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखा
Balance Sheet and
Profit & Loss Account 40-41

अनुसूचियां
Schedules 42

नकदी प्रवाह विवरण
Cash Flow Statement 59

Report Junction .com

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष की कलम से • From the Chairman's Desk

श्री दलबीर सिंह
(अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक)
Shri Dalbir Singh
(Chairman & Managing Director)

प्रिय शेयरधारकों,

31 मार्च, 1999 को समाप्त हुए वर्ष के लिए बैंक के वित्तीय कार्य-निष्पादन की रिपोर्ट आपके समक्ष रखते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

अर्थव्यवस्था में धीमी गति से विकास होने के बावजूद ***ओ.बी.सी.*** *के समर्पित कर्मचारी विपरीत बाजार दशाओं में भी बेहतर कार्य प्रदर्शन करने में कामयाब रहे, जिसके कारण हमारा बैंक अन्य बैंकों की तुलना में महत्वपूर्ण वृद्धि कर सका। बैंक ने उभरते हुए बाजार अवसरों के अनुकूल अपने भावी लक्ष्यों को पुन: निर्धारित किया है।*

बैंक के दो प्रमुख भावी लक्ष्य हैं:- पहला शेयरधारक के उच्चतर मूल्य हेतु कार्य करना और दूसरा ग्राहकों पर अपना ध्यान केन्द्रित करना। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि प्रथम लक्ष्य को पूरा करते हुए आपके बैंक के निदेशक मंडल ने बैंक द्वारा अब तक के प्राप्त हुए सबसे अधिक 230.12 करोड़ रुपए के निवल लाभ के परिणामस्वरूप शेयरधारकों को 35% का लाभांश देने का निर्णय लिया है, जो भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुमोदन के अध्यधीन होगा। मार्च, 1999 में प्रति शेयर आय बढ़कर 11.95 रुपए हो गई और बही मूल्य भी बढ़कर 64/- रुपए हो गया। दूसरे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बैंक ग्राहकों के लाभ हेतु कई नए उत्पाद ला रहा है।

मुझे यह बताते हुए भी प्रसन्नता हो रही है कि बैंक की जमाराशियों में 3746.86 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई, जो बैंकिंग उद्योग की 18.5% की औसतन वृद्धि के मुकाबले 28.7% रही। बैंक का निवल ऋण 31.3.1999 को 7,707.56 करोड़ रुपए रहा, जिसमें पिछले वर्ष की अपेक्षा 21.98% की वृद्धि हुई। बैंक से वाणिज्यिक क्षेत्र को, जिसमें परम्परागत गैर-खाद्यान्न ऋण, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी निगमित क्षेत्र द्वारा जारी बांडों/डिबेंचरों/शेयरों में निवेश इत्यादि शामिल हैं, निधियों के कुल प्रवाह में वर्ष 1998-99 के दौरान 2015.53 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज हुई, जो बैंकिंग उद्योग द्वारा दर्ज की गई 15.8% की वृद्धि दर के मुकाबले 23.1% रही। बैंक की 1.70 करोड़ रुपए की प्रति कर्मचारी उत्पादकता बैंकिंग उद्योग की सर्वोत्कृष्ट में से एक मानी गई है। बैंक ने 58 शाखाएं खोलकर अपने शाखा तंत्र में विस्तार किया जिससे मार्च, 1999 के अंत में कुल शाखाएं 899 हो गईं।

पूंजी पर्याप्तता के मामले में, बैंक की स्थिति काफी अच्छी रही तथा मार्च, 1999 के अंत में पूंजी में जोखिम वाली आस्तियों का अनुपात 14.10% रहा, जो बैंकिंग उद्योग में

Dear Shareholders,

It gives me great pleasure to present the financial performance of your Bank for the year ended 31s t March 1999.

Despite slow growth of the economy, the dedicated **OBC** team was able to deliver good performance in difficult market conditions thus making it possible for your Bank to show impressive growth than the peers. The Bank has redefined its vision in line with the emerging market opportunities.

The new vision set by the Bank has two goals- one to work for superior shareholder value and the other to focus on customers. I am happy to say that towards the first goal the Board of Directors of your Bank has decided to reward the shareholders with 35% dividend, subject to approval of Reserve Bank of India, as a result of an all time high net profit of Rs.230.12 crore achieved by the Bank. The earning per share has increased to Rs. 11.95 in March 1999 and book value has also gone up to Rs. 64/-. To achieve the second goal, the Bank is introducing various products for the benefit of the customers.

I am also happy to say that the deposits of the Bank grew by Rs. 3,746.86 crore representing an increase of 28.7% against Industry average of 18.5%. The net credit of the Bank stood at Rs. 7,707.56 crore as on 31.03.1999 depicting a growth of 21.98% over the previous year. The total flow of funds from the Bank to commercial sector comprising conventional non-food credit, investment in bonds/debentures/shares issued by Public Sector Undertakings and private corporate sector etc. increased by Rs. 2015.53 crore during 1998-99 registering a growth rate of 23.1% as against 15.8% recorded by the Banking Industry. The Bank's productivity per employee at Rs. 1.70 crore is considered to be one of the highest in the Banking Industry. The Bank expanded its branch network by 58 branches to take the total number of branches of the Bank to 899 as at the end of March 1999.

The Bank is comfortably placed in the matter of Capital Adequacy and the ratio of Capital to Risk Weighted Assets stood at 14.10% as at the

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सर्वोच्च में से एक है। तथापि, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विवेकपूर्ण मानदण्डों को और अधिक कड़ा बनाया जा रहा है तथा चालू वर्ष से सरकारी प्रतिभूतियां और स्तरीय आस्तियां भी जोखिम भार के अध्यधीन होंगी। इस नई स्थिति का सामना करने के लिए आने वाले वर्षों में पूंजी पर्याप्तता को पूरा करने हेतु विभिन्न उपायों पर विचार किया जा रहा है।

पिछले कुछ वर्षों से बैंकिंग उद्योग में महत्वपूर्ण परिवर्तन हो रहे हैं, जिसके फलस्वरूप बैंक को नई-नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बैंक तकनीकी उन्नयन और नए उत्पादों के माध्यम से इन चुनौतियों का सामना करने के लिए अपने को तैयार कर रहा है। बदलते हुए आर्थिक परिवेश तथा उदारीकरण के परिणामस्वरूप भारतीय बैंकिंग उद्योग में संभावित मध्यावधि तथा दीर्घावधि जोखिमों का प्रभावपूर्ण ढंग से सामना करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने 1 अप्रैल, 1999 से आस्ति दायित्व प्रबन्धन पद्धति लागू की है और बैंक ने इस दिशा में उपयुक्त कदम उठाए हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यापक जोखिम प्रबन्धन उपाय करने की योजना बना रहा है।

अपना वक्तव्य समाप्त करने से पूर्व, मैं इस अवसर पर अपने समस्त शेयरधारकों को उनके द्वारा वर्ष भर दिए गए सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं, जिसके कारण हमने आज ये उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे यह बताते हुए भी प्रसन्नता हो रही है कि आपके निदेशक मंडल के मार्गदर्शन एवं बैंक के प्रत्येक कर्मचारी के पूर्ण समर्थन से आपके बैंक ने चालू वर्ष में एक सुदृढ़ शुरुआत की।

शुभकामनाओं सहित।

आपका,

(श्री दलबीर सिंह)

end of March 1999 which is one of the highest in the Banking Industry. However the prudential norms are being further tightened by Reserve Bank of India and even the Government securities and standard assets shall be subject to risk weight from the current year. To meet the new situation, the various options are being considered to meet the capital adequacy in the years to come.

The Banking Industry is undergoing significant changes since the past few years which has posed new challenges before the Bank. The Bank is gearing itself to meet these challenges through technological upgradation and innovative products. In order to effectively meet the medium and long term risks to which the Indian Banking Industry has been exposed in the changing economic scenario and liberalisation, the Reserve Bank of India has introduced Asset Liability Management System to be in place w.e.f. 1st April, 1999 and the Bank has taken suitable steps in this direction. Besides, the Bank is planning to adopt comprehensive risk management practices to meet the challenges of the future.

Before I conclude, I would like to take this opportunity to thank all our stakeholders for their active help and support during the year without which we would not be where we are today. I am happy to say that with the guidance of your Board and full support of each and every employee your Bank has made a steady start to current year.

With warm regards.

Yours sincerely,

(SHRI DALBIR SINGH)

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल • Board of Directors

श्री दलबीर सिंह
(अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक)
Shri Dalbir Singh
(Chairman & Managing Director)

श्री वी.एस. वासन
(कार्यकारी निदेशक)
Shri V.S.Vasan
(Executive Director)

श्री एम.एम.एस. रेखराव
Shri M.M.S. Rekhrao

श्रीमती पी. मोहन
Smt. P. Mohan

कुमारी राना खातून
Km. Rana Khatoon

श्री अजय कुमार दोशी
Shri Ajay Kumar Doshi

श्री बी. कमलाकर राव
Shri B. Kamlakar Rao

डॉ. सतवन्त सिंह मोही
Dr. Satwant Singh Mohi

श्री अबु हसेम खान चौधरी
Shri Abu Hasem Khan Choudhary

श्री शलभ शर्मा
Shri Shalabh Sharma

श्री डी.के. पोद्दार
Shri D.K.Paudar

श्री एस.पी. बनर्जी
Shri S.P Banerjee

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वरिष्ठ प्रबंधवर्ग • Senior Management Team

जे. एस. तोमर
J.S. Tomar

एस.सी. गुप्ता
S.C. Gupta

एस. के. सिंह
S.K. Singh

पी. के. शर्मा
P.K. Sharma

आर. एम. शर्मा
R.M. Sharma

ओ. पी. महाजन
O.P. Mahajan

सी. आर. शर्मा
C.R. Sharma

एस.एस. मेहरा
S.S. Mehra

आर. सी. कोहली
R.C. Kohli

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

प्रगति के पथ पर • Progress at a glance

राशि (लाख रुपए में)
Amount (Rs. in lacs)

वर्ष FOR THE YEAR	1994-95	1995-96	1996-97	1997-98	1998-99
कुल आय Total Income	87204	112676	135493	159649	204641
कुल व्यय Total Expenditure	75868	95401	117468	138649	181629
निवल लाभ Net Profit for the year	11336	17275	18025	21000	23012
	मार्च	मार्च	मार्च	मार्च	मार्च
के अंत में AT THE END OF	March 1995	March 1996	March 1997	March 1998	March 1999
पूंजी एवं प्रारक्षित निधि Capital and Reserve	70948	82409	94139	108246	123148
जमाराशियां Deposits	667346	871088	1005406	1305802	1680488
अग्रिम Advances	352888	467178	488642	631846	770756
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र Priority Sector	145116	181133	205474	261682	328520
जिसमें से of which :					
i) कृषि Agriculture	67633	82645	96843	120489	110449
ii) लघु उद्योग Small Scale Industries	61005	80661	85208	112730	170420
iii) अन्य Others	16478	17827	23423	28463	47651
निर्यात वित्त Export Finance	45004	59056	52790	70746	87841
कुल आस्तियां/देयताएं Total Assets/Liabilities	823699	1052404	1155899	1478152	1878416
शाखाओं की संख्या No. of Branches	618	701	755	841	899
कर्मचारियों की संख्या No. of Employees	12367	13128	13580	14238	14447

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

एक नज़र कार्य- निष्पादन पर • Performance at a glance

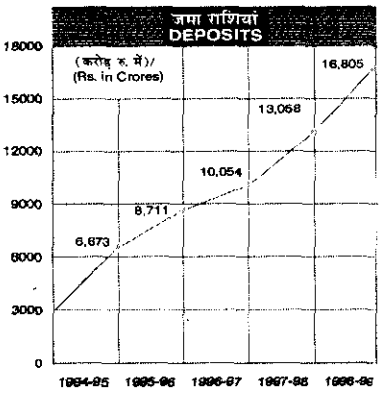

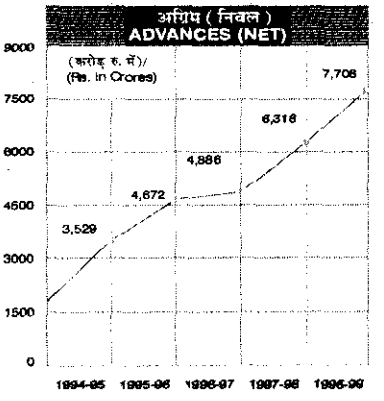

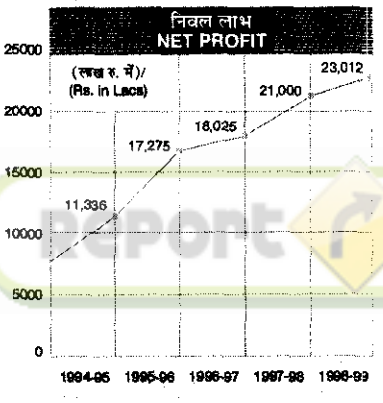

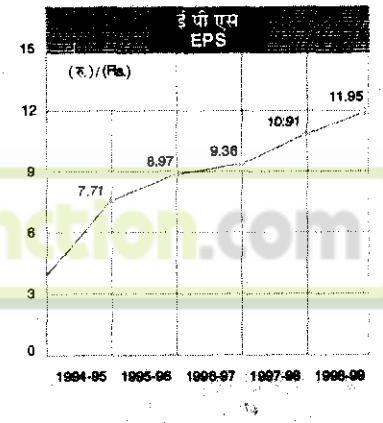

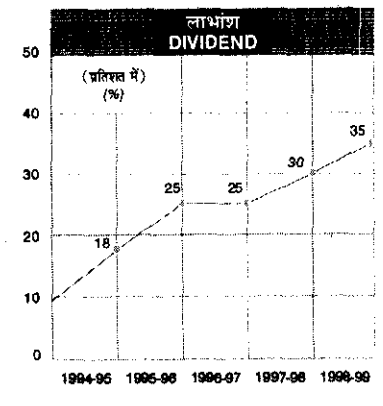

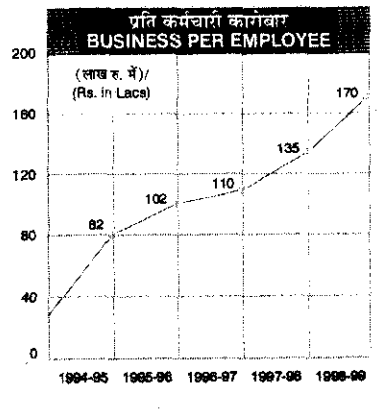

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

प्रमुख वित्तीय अनुपात • Key Financial Ratios

भारतीय बैंकिंग प्रतिमानों में निश्चित रूप से परिवर्तन हो रहे हैं। जहां एक ओर बैंक अधिक प्रतियोगी तथा ग्राहक मित्र बनने के लिए प्रयत्नशील हैं, वहीं उनके कार्यचालन में और अधिक पारदर्शिता लाने की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है, ताकि बैंक के शेयरधारकों/हिताधिकारियों के समक्ष और अधिक स्पष्ट स्थिति प्रस्तुत की जा सके।

इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पूंजी–पर्याप्तता, अभिनियोजित संसाधन, आस्ति गुणवत्ता, प्रबन्धन, अर्जन गुणवत्ता तथा अर्थ सुलभता संबंधी पैरामीटरों के अनुसार प्रत्येक शीर्ष के अंतर्गत कुछ प्रमुख वित्तीय अनुपात प्रस्तुत करके बैंक के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन करने का प्रयास किया गया है:–

पूंजी पर्याप्तता

(क) पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 14.1%

भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशानुसार मार्च 2002 तक न्यूनतम 10%

अन्तरराष्ट्रीय प्रतिमान 12% से ज्यादा

(पूंजी पर्याप्तता अनुपात जितना अधिक होगा, बैंक उतना ही अधिक सुदृढ़ होगा। तथापि, काफी अधिक पूंजी पर्याप्तता अनुपात इस बात का संकेतक है कि बैंक रूढ़िवादी है और उसने अपनी पूंजी का अधिकतम उपयोग नहीं किया है)

(ख) ईक्विटी अनुपात की तुलना में बाह्य देयताएं 14.3 गुणा

(निवल आय में कुल बाह्य देयताओं के अनुपात के रूप में परिकलित)

(ग) आस्तियों की तुलना में अग्रिम 41%

(उच्चतर अग्रिमों द्वारा ऋण जमा अनुपात, जो लाभप्रदता का निर्धारण करता है, को बेहतर बनाने में बैंक की उद्यमशीलता को दर्शाता है)

(घ) निवेश की तुलना में सरकारी प्रतिभूतियाँ 51.9%

(सरकारी प्रतिभूतियों में 'शून्य' जोखिम देखते हुए संगत हैं)

(ड़) आस्तियों की तुलना में सरकारी प्रतिभूतियां 21.7%

(निवेश को अपेक्षाकृत कम करते हुए ऋण जमा अनुपात को बेहतर बनाने में बैंक की उद्यमशीलता को भी दर्शाती हैं)

There is certainly a paradigm shift in Indian Banking. Whereas on one hand Banks are trying to become more competitive and customer friendly, the need for greater transparency in their operations is also acquiring equal importance in order to provide a clearer picture to the Bank's shakeholders.

In tune with this philosophy, an attempt has been made to evaluate the bank's performance on the parameters of Capital Adequacy, Resources deployed, Asset quality, Management, Earnings quality and Liquidity by presenting certain Key financial ratios under each head.

Capital Adequacy

(a) CAPITAL ADEQUACY RATIO (CAR) 14.1%

Minimum CAR by March 2002 as directed by RBI 10%

International Standard Over 12%

(The higher the capital adequacy ratio, stronger the bank. However, a very high CAR indicates that the bank is conservative and hasn't utilised the full potential of its capital).

(b) OUTSIDE LIABILITIES TO EQUITY RATIO 14.3 times

(Calculated as the proportion of total outside liabilities to networth).

(c) ADVANCES TO ASSETS 41%

(Shows a bank's aggressiveness in improving its credit deposit ratio by higher advances, which determine profitability).

(d) GOVT. SECURITIES TO INVESTMENTS. 51.9%

(Relevant in view of the Nil risk for Government Securities)

(e) GOVT. SECURITIES TO ASSETS. 21.7%

(Also indicates a bank's aggressiveness in improving its credit deposit ratio by keeping investments lower)

www.reportjunction.com